ESTD : 1954

दिल्ली प्रिंटर्स एसोसिएशन

मासिक

समाचार पत्रिका

संपादक : एच. एल. खन्ना केवल सदस्यों के लिए निःशुल्क वितरण हेतु अंकः अक्टूबर 2018, मुद्रणः 31 अक्टूबर 2018

डीपीए के श्री सुनील जैन एआईएफएमपी के उपाध्यक्ष (उत्तर) निर्वाचित

आल इंडिया फेडरेशन ऑफ मास्टर प्रिंटर्स की गवर्निंग कौंसिल की 242वीं बैठक 29–30 सितम्बर 2018 को एआईएफएमपी के अध्यक्ष श्री एएमएसजी अशोकन की अध्यक्षता में होटल प्राइड प्लाजा, एरोसिटी, नई दिल्ली में आयोजित की गई। दिल्ली प्रिंटर्स एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष श्री सुनील जैन फेडरेशन की एजीएम में उपाध्यक्ष (उत्तर) पद पर निर्वाचित घोषित किए गये। श्री सुनील जैन को दिल्ली प्रिंटर्स एसोसिएशन की ओर से हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं।

आल इंडिया फेडरेशन ऑफ मास्टर प्रिंटर्स की नई टीम

सभी सदस्यों को
दीपावली की
हार्दिक शुभकामनाएं

First choice of Printing Machine Manufacturers

Up to 60% cost reduction with
Busch Merlin Dry Rotary Claw Vacuum Pump

Busch Vacuum India Pvt Ltd.
Plot No.: 102-103, I Sector 5 I IMT Manesar I Gurgaon (Haryana) 122 050 I India
Phone: +91-9711991473 I sales@buschindia.com
www.buschindia.com

ESTD : 1954

President
Mr. Rajesh Sardana
98100-31996

Imm. Past President
Mr. Rajiv Gupta
98117-01764

Vice-presidents
Mr. Ajay Sharma
8178429924

Mr. Meghraj Bhati
98103-52633

Mr. Prakash Dass
98187-24948

Hon. General Secretary
Mr. Mahinder Budhiraja
93122-41788

Joint-secretaries
Mr. Atul Goel
98100-03943

Mr. Puneet Talwar
98110-81291

Treasurer
Mr. Kewal Krishan Singhal
98111-15945

Executive Members
Mr. Ashok Aggarwal
Mr. Ashok Kumar Nandra
Mr. D. K. Vohra
Mr. Deepak Bhatia
Mr. M. N. Pandey
Mr. Mohd Mustaqeem
Mr. P. K. Chauhan
Mr. P. N. Kapur
Mr. Prashant Aggarwal
Mr. Prabir Kumar Mukherjee
Mr. Raghu Nandan Sharma
Mr. Sandeep Aggarwal
Mr. Sanjay Sharma
Mr. Shiv Mittal
Mr. Simranjot Singh Bhatia
Mr. Sunil Jain
Mr. Vijay Goel
Mr. Vijay Jain
Mr. Vikas Gaur
Mr. Vivek Jain

Executive Secretary
H.L. Khanna
9958043222

Delhi Printers' Association
Flat No. 26A,
Shanker Market,
New Delhi-110001
Tel. : 011-23414415
Telefax : 011-23412574
Email : delhiprinter@hotmail.com

स्वास्थ्य

सर्दी के मौसम में विशिष्ट समस्याएं और उनका समाधान

चिकित्सक कहते हैं कि हमारे पास सामान्य सर्दी के अलावा कुछ ऐसे भी रोगी आते हैं जो किन्ही पुरानी बीमारियों से पीड़ित हैं और उनके जो मुख्य प्रश्न होते हैं उनका समाधान हम इस प्रकार से करते हैं–

मुझे हृदय रोग है, ठण्ड के मौसम में मुझे किन किन बातों का ध्यान रखना चाहिए?

सर्दी में तापमान कम होने के कारण शरीर की नसें सिकुड़ने लगती हैं जिससे हृदय रोगियों को हार्ट अटैक का खतरा बढ़ जाता है। नसें सिकुड़ने से ब्लड सर्कुलेशन में होने वाले बोझ का भार सीधा हार्ट पर पड़ता है जिस कारण अटैक की संभावना बढ़ जाती है। ऐसे रोगियों को हम सलाह देते हैं कि आप डॉक्टर द्वारा निर्धारित दवा और चेतावनियों का पालन करें। खाने पीने में तेल, घी, नमक बहुत ही कम हो। बीड़ी, सिगरेट आदि नशा न करें। तली–भुनी चीजें न खाएं। कार्डियोलोजिस्ट द्वारा निर्धारित व्यायाम करें। सर्दी के बचाव उपाय करने के बाद ही ठंड में निकलें। ठंडे पानी के स्थान पर गुनगुने पानी का उपयोग करें और इसी से नहाएं।

मुझे ब्रेन हेमरेज हो चुका है, अब ऐसे ठन्डे मौसम में मुझे सुरक्षित रहने के लिए क्या क्या उपाय करने चाहिए?

ठंड के मौसम में खाने पीने का मन अधिक करता है जिससे हम तली–भुनी व चटपटी चीजें खाने लगते हैं। शरीर में भारीपन आ जाता है और खूब सोने का मन करता है। यही सब मिलकर रक्तचाप को बढाते है। इसकी अधिकता से ब्रेन हेमरेज होता है। मस्तिष्क की नसें या तो फट जाती हैं या खून जम जाता है। रोगियों को तेल, घी, नमक, चीनी , धूम्रपान अत्यन्त कम कर देना चाहिए । भोजन सीमित, सुपाच्य व गर्म हो। यथोचित श्रम व व्यायाम करें। क्रोध व तनाव से बचें।

मुझे आर्थराइटिस है, ठण्ड में दर्द व जकड़ से बचने के लिए क्या करना चाहिए ?

ठंड में तापमान गिरने पर मांसपेशियों में जकड़न होती है एवं जोड़ों में दर्द बढता है। कुछ लोगों में जोड़ों में सूजन आ जाती है। यह जकड़न सभी को हो सकती है किन्तु बुजुर्गों को इस मौसम में अधिक परेशानी होती है। बच्चे खेलते रहते हैं एवं बड़े काम करते हैं इसलिए उनको यह पीड़ा कम होती है। व्यायाम, धूप सेवन, मालिश, गुनगुने पानी से नहाने या जोड़ों की गर्म पानी से सिकाई करने पर यह परेशानी कम हो जाती है। ऐसे मौसम में भारी भोजन करने से बचें।

मुझे अवसाद डिप्रेशन की समस्या है , सर्द मौसम में मुझे किन बातों का ध्यान रखना चाहिए?

ठंड में अधिक ऊर्जा वाला भारी भोजन करने एवं हार्मोन के असंतुलन के कारण कुछ लोगों को डिप्रेशन से जूझना पड़ता है। मन बुझा–बुझा सा व शरीर सुस्त हो जाता है, इससे बचने के लिए हल्का भोजन करें। फल, सब्जी, सलाद, सूखे मेवों का सेवन करें। प्रसन्न एवं सक्रिय बने रहें।

मैं अस्थमा से पीड़ित हूं, ठण्ड में ये परेशानी अधिक न हो उसके लिए मुझे क्या करना चाहिए ?

सांस के रोगी ठंड एवं धुंध में बाहर जाने से बचें। दमे के दौरे से बचने हेतु इनहेलर का उपयोग करें। ताजा गर्म एवं हल्का भोजन करें। ठंडी व खट्टी चीजों से बचें। थोडा व्यायाम प्रतिदिन अवश्य करें।

वर्ष 2018–2019 के वार्षिक शुल्क के लिए सदस्यों से अनुरोध

जिन सदस्यों ने अपना वर्ष 2018–2019 का वार्षिक शुल्क अभी तक नहीं भेजा है उन्हें याद दिलाया जा रहा है कि अपना शुल्क स्वयं/कोरियर/डाक द्वारा शीघ्रअतिशीघ्र भेजने की कृपा करें। कुछ सदस्य ऐसे भी हैं जिनका वार्षिक शुल्क 2017–2018 का भी नहीं आया है, उन्हें फिर याद दिलाया जाता है कि लगातार दो वर्ष तक वार्षिक शुल्क न आने पर एसोसिएशन की सदस्यता स्वयं समाप्त हो जाती है।

यदि आप वार्षिक चंदा बैंक में सीधे जमा करना चाहते हैं तो संस्था के निम्नलिखित दो बैंक खातों में से किसी में भी जमा करवा सकते हैं तथा जमा करने के बाद संस्था को सूचित कर दें। बैंक का विवरण इस प्रकार है।

Delhi Printers' Association
Saving A/c No. 90042010031370
IFSC Code-SYNB0009004
Bank Name - Syndicate Bank

Delhi Printers' Association
Current A/c No. 0050231000001
IFSC Code-HDFC0CTJCBL
Bank Name-The Janata
Co-Operative Bank Ltd.

Printing, Processing and Binding Sponsored by

PARAS
PRINTERS
Complete Printing Solution

347, FIE Patparganj Industrial Area, Delhi - 110 092
Phone : +91-11-43092892, +91-9811083737
E mail : parasprinters@gmail.com paras.ctp@gmail.com

अध्यक्ष की कलम से

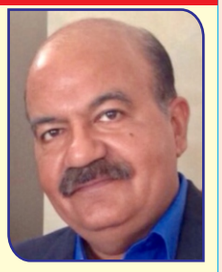

पत्रिका के पिछले अंक में बताया गया था कि दिल्ली सरकार द्वारा 3 मार्च 2017 को जारी किए गये जिस नोटिफ़िकेशन के अंतर्गत् कर्मचारियों के मिनिमम वेज को 37 प्रतिशत तक बढ़ाकर 1.4.2017 से लागू किया गया था, उसे दिल्ली हाई कोर्ट के 4 अगस्त 2018 के निर्णय द्वारा रद्द किया गया था। तत्पश्चात् 16 अक्तूबर 2018 के नोटिफिकेशन के द्वारा, समय समय पर लेबर डिपार्टमेंट द्वारा बढ़ाए गए महँगाई भत्ते के आधार पर, दिल्ली सरकार ने 1.10.2016 से लागू पुराने मिनिमम वेज को ही फिर से 1.10.2018 से लागू कर दिया था। किन्तु 4 अगस्त के दिल्ली हाई कोर्ट के फ़ैसले को दिल्ली सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दे रखी थी। इसकी सुनवाई के बाद सुप्रीम कोर्ट ने 31 अक्तूबर 2018 को दिए गए अपने आर्डर में कहा है कि जब तक वह अंतिम फ़ैसला नहीं देती है दिल्ली सरकार द्वारा जारी किए गए 3 मार्च 2017 के नोटिफिकेशन के तहत लागू किए गए संशोधित मिनिमम वेज ही 3 महीने के लिए फिर से लागू रहेंगे। इन तीन महीनों में दिल्ली सरकार को कहा गया है कि नई कमेटी का गठन करके उसके द्वारा सुझाए गए संशोधित मिनिमम वेज नोटीफाई करने से पहले कोर्ट को भेजे जाएँ। उसके पश्चात् ही सुप्रीम कोर्ट नए वेतनमानों तथा एरियर देने के विशय में निर्णय लेगी। तब तक कोई एरियर नहीं देना है। इस संदर्भ में कोर्ट ने एक बार फिर से साफ़ किया है कि कर्मचारियों को पहले से दिए गए किसी भी वेतन को वापिस न माँगा जाए।

उपर्लिखित सुप्रीम कोर्ट के आदेश के अनुसार सदस्यों को सूचित किया जाता है अंतिम निर्णय आने तक 1.11. 2018 से तीन महीने के लिए निम्नलिखित नए मिनिमम वेतनमान् कर्मचारियों को प्रति माह दिए जाएँ :

निम्न तालिका में तथ्यों को सही देने का प्रयास किया है। लेकिन फिर भी सरकारी गजट देखने की सलाह दी जाती है।

श्रेणी	अभी दिए जाने वाले वेतनमान्	शीर्ष कोर्ट के 31.10.18 के फ़ैसले के बाद	1.4.17, 1.4.18 तथा 1.10.18 से लागू तीनों महँगाई भत्तों का योग	1.11.18 से दिया जाने वाला कुल वेतन
अकुशल	10270/–	13350/–	650/–	14000/–
अर्धकुशल	11362/–	14698/–	702/–	15400/–
लिपिकीय पर्यवेक्षी	12506/–	16182/–	780/–	16962/–
नॉन मैट्रीकुलेट	11362/–	14698/–	702/–	15400/–
मैट्रीकुलेट पर ग्रेजुएट नही	12506/–	16182/–	780/–	16962/–
ग्रेजुएट	13598/–	17604/–	858/–	18462/–

-राजेश सरदाना, अध्यक्ष

महासचिव की कलम से

यद्यपि भारत सरकार द्वारा आरम्भ की गयी अनेकों योजनाएँ, जैसे 'स्टार्टअप', 'मेक इन इन्डिया', 'ईज़ ऑफ डूइंग बिजनेस', आदि देश की प्रगति के लिए प्रचलित हैं, किन्तु इनकी सफलता के लिए पहले से चल रही योजनाओं में आवश्यक बदलाव भी किए गये हैं। भ्रष्टाचार समाप्त करने के लिए सख्त कदम उठाए जाने के बावजूद सरकारी कर्मचारी आज भी बिना लेन.देन के काम नहीं करते हैं। छिपे हुए कैमरों तथा मोबाइल फ़ोन रिकार्डिंग से बचने के लिए नए तरीके ढूंढ लिए गए हैं। हांलाकि पकड़े जाने के डर के कारण रिश्वतखोरी में थोड़ी कमी आई है किन्तु अपनी पावर का 'सदुपयोग' करने में अधिकारी पीछे नहीं हटते हैं। अतः एक इंडीपैन्डैन्ट एंटीकरॅप्शन अथारिटी का गठन अत्यावश्यक है। इसी प्रकार 'इज ऑफ डूइंग बिजनेस' के तहत सिंगल विन्डो परमिशन दिये जाने की सुविधा के चलते विभिन्न खिडकियों से फाइल का चलना कुछ कम अवश्य हुआ है पर फिर भी फाइल अंतिम पड़ाव पर पहुंचकर समय ले लेती है। इस प्रकार की पद्धति रहने से साधारणतः निवेशक, विशेषकर विदेशी निवेशक, हतोतसाहित हो जाते है। फिर भी 'जहाँ चाह है वहाँ राह है' के आधार पर सब काम चल रहे हैं सम्बंधित सरकारी कर्मचारियों की ढील के कारण 'सिंगल विंडो' पर सारा काम पूरा हो सकने के लिए अभी और समय लगेगा।

आज विदेशों में भारत की छवि में बहुत सुधार आया है। दूसरी ओर इंटरनैशनल मॉनिटरी फंड के आँकड़ों के अनुसार 2018 में भारत की आर्थिक ग्रोथ 7.3: की तथा अगले वर्ष 7.4: होने की संभावना है जो चीन को 0.7: से पछाड़ कर विश्व की बड़ी आर्थिक इकॉनामियों में सबसे तेज़ हो जाएगी। किन्तु इस अच्छे समाचार के बावजूद हमें देश में सर्वांगीण सुधार लाकर देश की प्रगति को गति देने के लिए विभिन्न प्रकार के बदलाव लाने की आवश्यकता है। जाति, पंथ एवं धर्म के नाम पर होने वाले प्रदर्शनों तथा भड़काए जाने पर सार्वजनिक सम्पत्ति को नुकसान पहुँचाने वाली प्रक्रियाओं पर सख्ती से रोक लगाई जानी चाहिए। इस प्रकार के नुकसान से न केवल उन क्षेत्रों की शांति भंग होती है तथा कारोबार में रूकावट आती है, बल्कि देश की छवि को भी बड़ी हानि होती है। बाहर के देशों से भारत में आकर यहाँ के व्यापार एवं उद्योगों में पैसा लगाने वाले उद्योगपति अपना हाथ पीछे खींच लेते हैं और इन कारणों से देश की उन्नति में बाधा उत्पन्न होती है। यह अच्छा समाचार है कि हमारे न्यायालयों ने भी इस प्रकार के तोड़.फोड़ से होने वाली आर्थिक हानि की भरपाई के लिए नुकसान पहुँचाने वाले व्यक्तियों को जिम्मेदार ठहराते हुए उन पर नुकसान भरने का पूरा भार डाले जाने की सलाह दी है। यदि ऐसा कानून पास हो गया तो इस प्रकार के प्रदर्शनों को रोका जा सकेगा।

उप लिखित विचार देश की सामाजिक, प्रशाशनिक व्यवस्था तथा आर्थिक स्थिति से सम्बंधित हैं जो हमारे मुद्रण उद्योग को भी किसी न किसी रूप में प्रभावित करते हैं। जहाँ तक हम आर्थिक स्थिति में आ रहे सुधार की बात करें तो देखेंगे कि छपाई की माँग में कोई कमी नहीं आ रही है। नई.नई तकनीकों के आने और उन्हें अपनाने का रूझान बढ़ रहा है। दूसरे शब्दों में छपाई उद्योग का भविश्य उज्जवल है तथा हमें अपनी इकाइयों में आवश्यक बदलाव लाने का प्रयास निरन्तर करते रहना चाहिए।

-महिन्द्र बुद्धिराजा, महासचिव

Easeprint Solutions.com
Inspiring you for better Tomorrow
9818892321, 9818891112
info@easeprintsolutions.com
www.easeprintsolutions.com
OFFSET PRINTING ESTIMATION SOFTWARE
A Product developed by a PRINT PROFESSIONAL with Experience over THREE DECADES
●Estimation of Commercial & Packaging Printing ●Production ●Accounts ●Stock Inventory ●M.I.S.
A Complete ERP for Commercial & Packaging Printing

आल इंडिया फेडरेशन ऑफ मास्टर प्रिंटर्स की वार्षिक बैठक सम्पन्न

आल इंडिया फेडरेशन ऑफ मास्टर प्रिंटर्स की गवर्निंग कौंसिल की 242वीं बैठक 29–30 सितम्बर 2018 को एआईएफएमपी के अध्यक्ष श्रीएएमएसजी अशोकन की अध्यक्षता में होटल प्राइड प्लाजा, एरोसिटी, नई दिल्ली में आयोजित की गई। यह बैठक दिल्ली प्रिंटर्स एसोसिएशन की मेजबानी में आयोजित हुई। डीपीए के प्रधान श्री राजेश सरदाना ने पूर्व अध्यक्षों, जीसी सदस्यों और पदाधिकारियों का स्वागत किया और देशभर से आए प्रिंटर्स बंधुओं को संबोधित किया। उन्होंने इस बैठक के लिए समय निकालने के लिए उनको धन्यवाद दिया। उन्होंने आगे एआईएफएमपी का आभार व्यक्त किया कि संस्था ने डीपीए की 242वीं जी सी बैठक की मेजबानी करने का अवसर प्रदान किया। इस बैठक में रिकार्ड जीसी सदस्यों ने भाग लिया। उन्होंने कहा कि डीपीए ने इस बैठक को कामयाब बनाने के लिए हर प्रकार से व्यवस्था की हैं।

कार्यक्रम का प्रारंभ परंपरा के अनुसार एआईएफएमपी और डीपीए के पदाधिकारियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलित करके हुआ। अध्यक्ष श्री एएमएसजी अशोकन अपने संबोधन में सभी उपस्थित पूर्व अध्यक्षों, जीसी और जीबी सदस्यों का स्वागत करते हुए कहा कि जैसा कि हम जानते हैं कि हमने पिछले कुछ दिनों में देश की तीन महान हस्तियों को खो दिया है। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी, पूर्व लोकसभा अध्यक्ष श्री सोमनाथ चटर्जी और तमिलनाडु के पूर्व मुख्यमंत्री श्री करुणानिधि का देहांत हुआ। एआईएफएमपी की तरफ से इन महानुभावों को शोकाकुल श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। श्री अशोकन ने आगे कहा कि इसी प्रकार केरल मे आई भीषण बाढ़ की विनाशलीला में प्रभावित परिवारों के प्रति भी संस्था अपनी संवेदनाएं व्यक्त करती है। उन्होंने कहा कि केरल के बाढ़ पीड़ितों के लिए फेडरेशन के 10 लाख रुपए का योगदान केरल रिलीफ फंड में किया है। कुछ प्रिंटर्स बंधुओं ने निजी तौर पर सहायता राशि दी है। श्री अशोकन ने कहा कि वह प्रिंटिंग बिरादरी के आभारी हैं, जिन्होंने उन्हें फेडरेशन के संस्था के प्रधान के रूप मं दो बार चुना और 15 विभिन्न एसोसिएशनों ने उनके सम्मान में समारोह आयोजित किए।

इसी बैठक के दौरान नार्दन रीजनल इंस्टस्टीट्यूट ऑफ प्रिंटिंग टेक्नॉलाजी इलाहाबाद के प्रोफेसर सी. एस.मिश्रा को प्रिंटिंग क्षेत्र में असाधारण योगदान के लिए 'एजूकेशन अवार्ड ऑफ एक्सीलेंस फॉर दि ईयर–2017–18' से सम्मानित किया। इसके अलावा फेडरेशन के अपने सचिवालय के सीनियर स्टॉफ मेम्बर श्रीमती शांति बीजू को फेडरेशन के लिए 25 वर्ष की सेवाओं के लिए सम्मानित किया।

M.K.TRADING COMPANY

Authorised Distributor
SAKATA INX INDIA PVT. LTD.
TOYO INK INDIA PVT. LTD.

Deals in :
All Kinds of Offset Printing Material
& Book Binding Material

C-4/15, Ground Floor, Krishna Nagar, Delhi-51
Ph.: 011-22093611, M.: 9873362611
Email : mktradngco@gmail.com

DDM GRAPHIC

www.ddmgraphic.in

EUROPE'S BEST USED
OFFSET & BINDING MACHINES

HEIDELBERG MITSUBISHI RYOBI KBA KOMORI

294, Patpar Ganj Indl. Area, Delhi-92. Mobile: 9871155294, 9311611152
+91-11-43054852, Email: d.d.m.graphic@gmail.com

ऑल इंडिया फेडरेशन ऑफ प्रिंटर्स के पदाधिकारियों का चुनाव सम्पन्न

30 सितम्बर 2018 रविवार को फेडरेशन के पदाधिकारियों का 2018–2019 के लिए गुप्त मतदान द्वारा चुनाव हुआ। जीसी सदस्यों और पूर्व अध्यक्षों ने मतदान में हिस्सा लिया। बैठक की अध्यक्षता कर रहे श्री अशोकन ने दक्षिण क्षेत्र के उपाध्यक्ष पद के लिए श्री रविंदर रेड्डी द्वारा नामांकन वापस लेने की घोषणा की और श्री सतीश मल्होत्रा (पूर्व अध्यक्ष एआईएफएमपी) और बम्बई मास्टर प्रिंटिर्स एसोसिएशन के श्री संजय पटेल की चुनाव अधिकारी (स्क्रूनिटीज) के रूप में नियुक्ति की।

श्री राघबेंद्रा एन. दत्ता बरुआ उपाध्यक्ष (पूर्व) निर्विरोध चुने गए। इसके बाद श्री अशोकन ने स्क्रूटिनी कमेटी के चेयरमैन की हैसियत से फाइनल नतीजों की घोषणा की। नई टीम का जोरदार स्वागत किया गया। नई टीम इस प्रकार है:–

अध्यक्ष	:	श्री रवीन्द्र जोशी
उपाध्यक्ष (उत्तर)	:	श्री सुनील जैन
उपाध्यक्ष (पूर्व)	:	श्री राघबेंद्र एन दत्ता बरुआ
उपाध्यक्ष (पश्चिम)	:	श्री विलास संगुरदेकर
उपाध्यक्ष (दक्षिण)	:	श्री ए. सेंथिल कुमार
मानद महासचिव	:	श्री के. राजेंद्रन
मानद संयुक्त सचिव	:	श्री सी रविन्द्र रेड्डी
मानद कोषाध्यक्ष	:	श्री अश्वनी गुप्ता

नए पदाधिकारियों को एआईएफएमपी के आउटगोइंग पदाधिकारियों द्वारा सम्मानित किया गया। नए निर्वाचित अध्यक्ष श्री रविन्द्र जोशी ने फेडरेशन के उच्चतम पद के लिए पूरे दिल से समर्थन के लिए सभी सदस्यों का धन्यवाद किया। उन्होंने सभी जीसी सदस्यों का धन्यवाद किया और गतिशील टीम के लिए अपनी संतुष्टि व्यक्त की। श्री जोशी ने आत्मविश्वास व्यक्ति किया कि नई टीम फेडरेशन की नीतियों और योजनाओं को जारी रखेगी और प्रिंटिंग बिरादरी के हित के लिए परियोजनाओं को ठोस आकर देने की कोशिश करेगी।

FALCON VACUUM PUMPS

D LV 1000 C DV
For Komori Offset

D LV 1000 C DVVL
For Heidelberg Double Color

Manufactured, Sold & Serviced by :
FALCON VACUUM PUMPS & SYSTEMS
98, Ram Saroop Industrial Complex,
Mujessar, Faridabad - 121 005, (Hr.) INDIA
Phone : +91-129-4022837, 4026023
Fax : +91-129-4022837
E-mail : tkbind@hotmail.com
falcon_pumps@yahoo.co.in
Website: www.falconpumps.com

एक साल के भीतर बन सकता है भारत का पहला 3डी प्रिंटेड मकान

भारत पहला 3डी प्रिंटेड मकान एक साल के भीतर बना सकता है। आईआईटी मद्रास की एक टीम ने दो दिन के भीतर एक मंजिला इमारत का लघु रूप सफलतापूर्वक प्रिंट किया है।

चैन्नई स्थिति भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान के शोधकर्ताओं ने संस्थान के एलुमन के एक स्टार्टअप के साथ 3डी प्रिंटिंग प्रयोगशाला बनाई है ताकि स्वदेश विकसित इस तकनीक को बाजार तक ले जाया जा सके शोधकर्ताओं ने बताया कि भारत में आवास शौचालय और परिवहन के क्षेत्र में व्यापक स्तर पर ढांचे की कमी ने उन्हें 3डी प्रिंटिंग तकनीक की ओर रुख करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि वे इस तकनीक को भारतीय बाजार में उतारने के फायदों को लेकर उत्साहित हैं।

आईआईटी मद्रास के सिविल इंजीनियरिंग विभाग के प्रोफेसर कोशी वर्गीय ने कहा कि संस्थान इस क्षेत्र में नई तकनीक को लाने की प्रक्रिया और नीति, ज्ञान का प्रचार करने तथा मापदंड तैयार करने के लिए कई सरकारी एजेंसियों तथा इंडस्ट्री के साथ मिलकर काम कर रहा है।

स्टार्टअप के सह–संस्थापक आदित्य ने कहा कि वे अगले एक

साल के भीतर भारत का पहला 3डी प्रिंटेड मकान बनाएंगे। आदित्य ने कहा, निर्माण गतिविधियों में 3डी प्रिंटिग का असर प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत सभी के लिए आवास और स्वच्छ भारत अभियान के लिए शौचालयों के निर्माण पर केंद्रित होगा। स्टार्ट अप के अन्य तीन संस्थापक परिवर्तन रेड्डी, विद्याशंकर सी और संतोष कुमार हैं।

स्मृति शेष

डीपीए के भूतपूर्व अध्यक्ष एवं प्रैस ऑफ इंडिया के श्री राजीव गुप्ता के भाई श्री संजय गुप्ता के दुखद निधन पर एसोसिएशन अपनी संवेदनाएं और श्रद्धांजलि अर्पित करती है। ईश्वर से प्रार्थना है कि शोक संतप्त परिवार को यह असीम दुख सहने की शक्ति प्रदान करें।

जन्मदिन और वैवाहिक वर्षगांठ की हार्दिक शुभकामनाएं

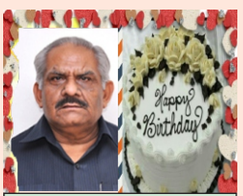

Mr. Ashok Kumar Nandra, E.C. member of DPA and owner of Vipan Packers on 28-09-2018

Mr. Raj Kumar Arya, Former President of DPA & owner of Sindhu Art Printing Press on 02-10-2018

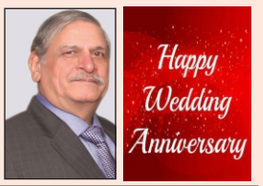

Wedding anniversary of Mr Mahinder Budhiraja, Hon. General Secretary of DPA and owner of Emkay Printers on 8-10-2018

Wedding anniversary of Mr. Vinod Rajpal, Former President of DPA and owner of Syndicate Binders on 15-10-2018

SHIVALIK
OFFSET PVT. LTD.
Plot No. 74, Sector 29, Part 1, HUDA, PANIPAT
Contact us : 98120 43175
email :vinod@shivalikoffset.com

Importers of Offset Printing Machines

5 Color Adast Dominant 755C CPC, (19" x 26"), Year 2000
4 Color Polly Prestidge 474 Full CPC,(20" x 29"), Year 2004
4 Color Polly 745 CPC, (19" x 26"), Year 1995
4 Color Adast Dominant 745 C, (19" x 26"), Year 1998
4 Color Polly 466, High Pile, (19" x 26"), Year 1997
2 Color Polly 266, Ink-Dot, High Pile,(19"x26"),Year 1999
2 Color Adast 726, Size (19"x26"), Year 1995
2 Color Adast Dominant 725, Low Pile, Year 1995
Adast 525, Adast 516, Adast 514, Adast 414 (2Pcs.), R 314

Paper Cutting Machines :
Adast Maxima
MS 115(45") + MS 107(42") + MS 80(32") 3 Pcs.
* Polygraph Original Perfecta Seypa
115 cm (45") + 92 cm (36")

Other Machines :
Polygraph Perfecta Three Knife Trimmer SDY 1 (2 Pcs.)
* Paper Folding Machine Multi Effeckt/Stahl/Herzuz Heymann
* Paper Jogger Table * Hydraulic Paper Waste * Paper creasing
* Hydraulic Die Cutting * Paper Drill 2 bit-1 Pc., 1 bit-2 Pcs.
* Wire-Stitcher (3 Pcs.) * CTP Revolution 4 Basic Laser * Etc.

GALLUS 320, TYPE 2000, 4 COLOR LABEL UV INK PRINTING MACHINE

जब भीमजी पारेख ने 1674 में अपना प्रिंटिंग प्रेस खोला

15वीं सदी में यूरोप में शब्द जब मुद्रित हुआ तो उसने मनुष्य की दुनिया को हमेशा के लिये बदल दिया। एक नए समय ने जन्म लिया। सामान्य जन तक पुस्तकों का प्रसार, स्वतंत्रता का बोध और लोकतांत्रिक चेतना का उदय। रोमन साम्राज्य में जर्मनी के जोहन्स गुटेनबर्ग ने 1440 में प्रिंटिंग प्रेस का आविष्कार किया था और उसी के साथ यूरोपियन रेनेसां और आधुनिक युग का उदय हुआ था। चकित कर देता है यह जानना कि हमारे इस बम्बई शहर में भी पहला प्रिंटिंग प्रेस 17वीं सदी में ही स्थापित हो गया था और वह भी एक भारतीय द्वारा। यह वह समय था जब ईस्ट इंडिया कंपनी का कारोबार अभी यहां ठीक से फैला नहीं था। इस शहर में बीते समय के किस्से बिखरे पड़े हैं लगभग रहस्य कथाओं की तरह।

बम्बई में यह प्रिंटिंग प्रेस 1674–75 में एक व्यापारी ने लगाया था। सूरत निवासी भीमजी पारेख के भीतर एक नये युग का सपना था और एक अद्भुत जुनून। उनकी यह कहानी खासी दिलचस्प है। यह सच है कि बम्बई में इस प्रिंटिंग प्रेस की स्थापना से पहले 16वीं सदी में भारत के तटीय इलाकों में ईसाई धर्म प्रचारकों के मार्फत मुद्रण टेक्नॉलजी का प्रवेश हो चुका था पर उनके उद्देश्य दूसरे थे। ये ईसाई धर्म प्रचारक अपने धर्म के प्रचार के लिये बाइबिल की छपी हुई प्रतियां लेकर यहां आते थे। गोवा में उन्होंने देश का पहला प्रिंटिंग प्रेस जरूर खोला पर केवल बाइबिल की प्रतियां छापने के लिए। भीमजी पारेख ने बम्बई में 1674–75 में जब अपना प्रिंटिंग प्रेस खोला तो उनका वह प्रेस अपनी परंपरा की स्मृति और सामूहिक बोध के प्रसार के लिए एक नए युग की वास्तविक शुरुआत थी। यह उल्लेखनीय है कि अभी किताबें छपनी शुरू नहीं हुई थीं। भारत में किसी समाचार पत्र की शुरुआत भी अभी नहीं हुई थी।

भीमजी पारेख ने अपनी छापेखाने की यह मशीन यूरोप से आयात की थी। वे उसे सूरत में लगाना चाहते थे। इतिहासकार मकरंद मेहता अपनी पुस्तक 'इंडियन मर्चेंट ऐंड आंत्रप्रेन्योर्स इन हिस्टोरिकल पर्सपेक्टिव' में लिखते हैं कि 'भीमजी पारेख ईस्ट इंडिया कंपनी के लिए एक कमिशन एजेंट थे और सिक्कों के विनिमय का कारोबार करते थे। कंपनी ने उनकी सेवाओं से प्रभावित होकर उन्हें एक मैडल और सोने के चेन भी प्रदान किए थे, जिसकी कीमत 1683 में 150 शिलिंग थी।'

ईस्ट इंडिया कंपनी का हेड क्वॉर्टर तब सूरत में था। सूरत मुगल शासन के अधीन था और ओरंगजेब द्वारा गैर–मुस्लिमों पर लगाए गए जजिया कर से सूरत के व्यापारी परेशान थे। 1674 में भीमजी पारेख 800 हिंदू और जैन बनियों के एक दल को लेकर सूरत छोड़कर बम्बई चले आए। उन्हीं दिनों गेराल्ड औंगियार को ईस्ट इंडिया कंपनी ने 1675 में सूरत की फैक्टरी का अध्यक्ष और बम्बई का गवर्नर नियुक्त किया था। उसी दौर में बम्बई का टापू एक आधुनिक शहर के रूप में विकसित हो रहा था। औंगियार ने सूरत के व्यापारियों और कुशल कारीगरों को धंधे–व्यापार के लिये बम्बई आकर बसने का न्यौता दिया था। परिणामस्वरूप बहुत सारे पारसी, अर्मेनियन, बोहरा, यहूदी, गुजराती और जैन बनिये और ब्राह्मण सूरत और दीव से बम्बई चले आये थे। बम्बई का एक बहु सांस्कृतिक स्वरूप उभरने लगा था। अंग्रेज गवर्नर ने डोंगरी से लेकर मेंढम्स पॉइंट (वर्तमान में लॉयन गेट) तक के इलाके को एक दीवार से घेरने की विस्तृत योजना बनाई। भारत में यह आधुनिक नगरीकरण का पहला प्रयास था। इसी के साथ इस शहर में बड़े भवन बनने लगे। बंदरगाह विकसित हुआ। 1670 में औंगियार के प्रयासों से ही

पहली बार बम्बई में टकसाल स्थापित हुई।

जे. बी. प्रिमरोज 'ए लडंन प्रिंटर्स विजिट टू इंडिया इन सेवेन्टींथ सेंचुरी' में लिखते हैं कि भीमजी पारेख ने बम्बई प्रांत के तत्कालीन गवर्नर गेराल्ड औंगियर से यह अनुरोध किया था कि वे छपाई की मशीन के साथ एक ऐसा विशेषज्ञ भी यहां बुलाना चाहते हैं जो ब्राह्मी लिपि (आधुनिक देवनागरी) के मैटर को छाप सके और वे इसके लिए उस विशेषज्ञ को तीन वर्षों तक सालाना 50 पाउंड का पारिश्रमिक देने को तैयार हैं।'

भीमजी के अनुरोध पर ईस्ट इंडिया कंपनी ने हेनरी हिल्स नामक एक मुद्रण विशेषज्ञ को यहां बुला भेजा। ब्राह्मी लिपि के लिए टाइप अक्षरों को गढ़ने का काम शुरू हुआ। हालांकि हेनरी विल्स के पास भारतीय लिपि में टाइप फॉन्ट काटने की पूरी निपुणता नहीं थी। भीमजी ने इसके लिए कंपनी से अक्षरों की कास्टिंग करने वाले टाइप फाउंडर को मंगवाने का अनुरोध किया। वे ब्राह्मी लिपि में लिखे प्राचीन भारतीय ग्रंथों, पोथियों, पांडुलिपियों को ताड़पत्रों की